vinetur

WHO: तंबाकू कर में 15 वर्षों की बढ़ोतरी से धूम्रपान घटा

15 उभरती अर्थव्यवस्थाओं के निष्कर्ष शराब और शक्करयुक्त पेयों पर अधिक कर बढ़ाने की नई मुहिम को आधार देते हैं।

गुरुवार, 1 अक्टूबर 2026



विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बुधवार को कहा कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं के एक समूह में तंबाकू कर सुधारों के 15 वर्षों से यह दिखता है कि अगर सरकारें सिगरेट की कीमतें लगातार और टिकाऊ तरीके से बढ़ाती हैं, तो वे धूम्रपान घटा सकती हैं और सार्वजनिक राजस्व बढ़ा सकती हैं, और इसी सबूत के आधार पर उसने शराब और शक्करयुक्त पेयों पर व्यापक कर बढ़ोतरी का दबाव बनाया।

एजेंसी ने 15 देशों के एक नए स्वतंत्र विश्लेषण की ओर इशारा किया, जिसमें पाया गया कि 2009 और 2025 के बीच सभी देशों ने सिगरेट कराधान में सुधार किया, हालांकि नतीजे असमान रहे। WHO के अनुसार सबसे मजबूत परिणाम उन जगहों पर मिले जहां सरकारों ने करों में तेज बढ़ोतरी की, कर प्रणालियों को सरल किया और यह सुनिश्चित किया कि

आय बढ़ने के साथ सिगरेट खरीदना आसान न हो जाए।

“सबूत स्पष्ट है : जब सरकारें हानिकारक उत्पादों को काफी महंगा बना देती हैं, तो लोग कम उपभोग करते हैं, जानें बचती हैं और सार्वजनिक राजस्व बढ़ता है,” WHO के स्वास्थ्य निर्धारक, संवर्धन और रोकथाम विभाग के निदेशक डॉ. एटिएन क्रुग ने बयान में कहा। उन्होंने कहा कि छोटे और अनियमित कर बदलाव अक्सर मुद्रास्फीति से मिट जाते हैं या उद्योग की चालों से कमजोर पड़ जाते हैं, और उन्होंने ऐसे पूर्वानुमेय बढ़ोतरी की वकालत की जो तंबाकू, शराब और शक्करयुक्त पेयों को धीरे-धीरे कम वहनीय बनाएं।

WHO ने निष्कर्षों को अपनी “3 by 35” पहल से जोड़ा, जिसमें देशों से 2035 तक तंबाकू, शराब और शक्करयुक्त पेयों की वास्तविक कीमतें स्वास्थ्य करों के जरिए बढ़ाने का आह्वान किया गया है। एजेंसी का कहना है कि इस नीति का मकसद गैर-संचारी रोगों और चोटों से जुड़े उत्पादों की खपत घटाना भी है और ऐसा धन जुटाना भी है जिसे सरकारें स्वास्थ्य और विकास में निवेश कर सकें।

नए विश्लेषण में सबसे स्पष्ट उदाहरण फिलीपींस था। WHO ने कहा कि 2013 में बड़े तंबाकू कर सुधार के बाद देश के सबसे अधिक बिकने वाले सिगरेट ब्रांड की मुद्रास्फीति-समायोजित कीमत में तेज उछाल आया। 2008-2024 की पूरी अवधि में विश्लेषण ने 638% वास्तविक कीमत वृद्धि का अनुमान लगाया, जबकि 2010 और 2025 के बीच सिगरेट धूम्रपान की व्यापकता लगभग एक-तिहाई घट गई।

WHO ने यह भी रेखांकित किया कि फिलीपींस ने बढ़े हुए राजस्व का कुछ हिस्सा कैसे इस्तेमाल किया। उसने कहा कि अधिक तंबाकू करों से प्राप्त आय को सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के विस्तार में मदद के लिए आरक्षित किया गया था, एक ऐसा मॉडल जो दिखाता है कि स्वास्थ्य कर इस्तेमाल को हतोत्साहित भी कर सकते हैं और सार्वजनिक कार्यक्रमों को वित्त भी दे सकते हैं।

विश्लेषण के अनुसार, यूक्रेन में 2008 और 2024 के बीच अपने सबसे अधिक बिकने वाले सिगरेट ब्रांड की कीमत में वास्तविक 659% वृद्धि दर्ज की गई। WHO ने कहा कि मेक्सिको, फिलीपींस और यूक्रेन—तीनों में बड़े कर और कीमत बढ़ोतरी के बाद धूम्रपान में उल्लेखनीय गिरावट आई, हालांकि उसने यह भी कहा कि कराधान अन्य तंबाकू नियंत्रण उपायों के साथ-साथ काम कर रहा था।

15 देशों में कई मामलों में वयस्क तंबाकू उपयोग भी तेज़ी से घटा। WHO ने 2010 और 2025 के बीच भारत में लगभग 43%, पाकिस्तान में 37%, ब्राज़ील में 34% और बांग्लादेश तथा फिलीपींस—दोनों में 29% की सापेक्ष गिरावट का उल्लेख किया। फिर भी, एजेंसी ने कहा कि प्रगति असमान रही, क्योंकि कई जगह आय वृद्धि या मुद्रास्फीति कीमत बढ़ोतरी से आगे निकल गई, जिससे समय के साथ सिगरेट अधिक वहनीय होती गईं।

WHO ने कहा कि अध्ययन में तंबाकू कर की मजबूत प्रणालियों में कई समान विशेषताएं थीं : बड़ी और नियमित बढ़ोतरी, सरल कर संरचनाएं, विशिष्ट उत्पाद शुल्क पर अधिक निर्भरता और मुद्रास्फीति तथा आय वृद्धि को ध्यान में रखने वाले स्वचालित समायोजन।

एजेंसी ने तंबाकू संबंधी निष्कर्षों का इस्तेमाल अन्य उत्पादों पर कर के लिए व्यापक दलील देने में किया और कहा कि सरकारें पेय करों की सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षमता का अभी भी पूरा इस्तेमाल करने से बहुत दूर हैं। यह संदेश पूरे पेय उद्योग में कर बहसों को प्रभावित कर सकता है, खासकर बीयर और स्पिरिट्स के मामले में, और यदि सरकारें शराब श्रेणियों के बीच कर-उपचार को समान करने की दिशा में बढ़ती हैं तो कुछ बाजारों में वाइन के लिए लंबे समय से चली आ रही छूटों पर भी जांच बढ़ सकती है।

WHO ने कहा कि कम से कम 116 देश शक्करयुक्त पेयों के एक या अधिक प्रकारों पर राष्ट्रीय उत्पाद शुल्क लगाते हैं, लेकिन तुलनीय कार्बोनेटेड शक्करयुक्त पेय पर उत्पाद शुल्क का वैश्विक औसत हिस्सा खुदरा कीमत का केवल 2.4% है। उसने कहा कि 2022 और 2024 के बीच सिर्फ 34 देशों में शक्करयुक्त पेय कम वहनीय हुए, जबकि 62 देशों में वे अधिक

वहनीय हो गए।

एजेंसी ने यह भी कहा कि ढांचा भी मायने रखता है। WHO के अनुसार, संबंधित कर प्रणालियों वाले देशों में से केवल लगभग एक-चौथाई अपने पेय करों को चीनी की मात्रा पर आधारित करते हैं, हालांकि ऐसा तरीका उपभोक्ताओं को कम चीनी वाले उत्पादों की ओर मोड़ सकता है और निर्माताओं को फॉर्मूलेशन बदलने के लिए प्रेरित कर सकता है। एजेंसी ने जोड़ा कि सिर्फ 14% देश विशिष्ट करों को स्वचालित रूप से समायोजित करते हैं, जिससे अधिकांश प्रणालियां मुद्रास्फीति से होने वाले क्षरण के प्रति असुरक्षित रह जाती हैं।

WHO ने उन कई देशों की ओर इशारा किया जो शक्करयुक्त पेय कर राजस्व का कुछ हिस्सा स्वास्थ्य व्यय में लगाते हैं। उसने अज़रबैजान, फ्रांस, हंगरी, फिलीपींस और तंज़ानिया को ऐसे उदाहरणों के रूप में उद्धृत किया, जहां कुछ आय विस्तारित स्वास्थ्य कवरेज का समर्थन करती है। उसने कहा कि पनामा, रूस और जिम्बाब्वे राजस्व का इस्तेमाल कैंसर, मधुमेह या अन्य गैर-संचारी रोगों पर केंद्रित कार्यक्रमों के लिए करते हैं, जबकि पोलैंड और पुर्तगाल धन को व्यापक स्वास्थ्य उद्देश्यों के लिए निर्देशित करते हैं।

WHO ने कहा कि तुलनीय शक्करयुक्त पेय पर कुल कर हिस्सा तिमोर-लेस्ते में खुदरा कीमत का लगभग 53% था, जो सबसे अधिक था। हालांकि वैश्विक स्तर पर कुल कर हिस्सा औसतन केवल लगभग 22% है, जिसे एजेंसी ने सिगरेट पर लगाए गए कुल कर हिस्से से लगभग दो-तिहाई कम बताया।

शराब के मामले में, WHO ने कहा कि कर अधिक आम हैं, लेकिन वे अभी भी उसके प्रचारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बहुत कम हैं। एजेंसी के अनुसार कम से कम 167 देश राष्ट्रीय शराब उत्पाद शुल्क लगाते हैं। जनसंख्या-भारित आधार पर, उसने कहा कि उत्पाद शुल्क बीयर की खुदरा कीमत का लगभग 21% और स्पिरिट्स का 28% है।

WHO ने यह भी कहा कि कई जगह वहनीयता उलटी दिशा में गई। एजेंसी के अनुसार 2022 और 2024 के बीच सिर्फ 31% देशों में बीयर कम वहनीय हुई और केवल 22% देशों में स्पिरिट्स कम वहनीय हुईं। विशिष्ट शराब कर वाले देशों में चार में से एक से भी कम देश नियमित स्वचालित बढ़ोतरी की मांग करते हैं, और कम से कम 25 देश वाइन को अब भी उत्पाद शुल्क से छूट देते हैं।

ये आंकड़े ब्रुअर्स, डिस्टिलर्स और वाइन उत्पादकों के लिए अहम हैं, क्योंकि इनसे संकेत मिलता है कि भविष्य के सुधार प्रयास इस पर कम और अधिक केंद्रित हो सकते हैं कि क्या शराब पर कर लगाया ही जाता है या नहीं, दरें कितनी बार बढ़ती हैं, क्या कर मुद्रास्फीति के साथ कदम मिलाते हैं और क्या अलग-अलग प्रकार के पेयों के साथ समान व्यवहार किया जाता है। जिन देशों में बीयर और स्पिरिट्स पर पहले से उत्पाद शुल्क लगता है, लेकिन वाइन छूट में रहती है, वहां यदि स्वास्थ्य कर योजनाएं आगे बढ़ती हैं तो यह अंतर नीति-निर्माताओं के लिए अधिक स्पष्ट लक्ष्य बन सकता है।

WHO ने कहा कि “3 by 35” पहल 2035 तक वास्तविक कीमत में 50% बढ़ोतरी की मांग करती है। एजेंसी के अनुसार ऐसा करने के लिए नाममात्र कीमतों को वैश्विक औसत के तौर पर लगभग दोगुना होना पड़ेगा। उसने मानक आंकड़े दिए, जिनमें सिगरेट की कीमत $4.70 से बढ़कर प्रति पैक $9.60, बीयर की कीमत $1.30 से बढ़कर 330-मिलीलीटर सर्विंग पर $3.10 और शक्करयुक्त पेयों की कीमत $0.90 से बढ़कर 330-मिलीलीटर सर्विंग पर $1.90 दिखाई गई। WHO ने कहा कि निम्न-आय देशों में आवश्यक बढ़ोतरी इससे भी बड़ी होगी, और कीमतों को तीन गुना से अधिक बढ़ाना पड़ेगा।

संगठन सरकारों से दीर्घकालिक कर रोडमैप बनाने, मुद्रास्फीति और आय वृद्धि के अनुसार करों का स्वचालित समायोजन करने, खामियां बंद करने, सस्ते उत्पादों को मिलने वाला रियायती व्यवहार हटाने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह कर रहा है कि तुलनीय तंबाकू, शराब और शक्करयुक्त पेय उत्पाद नियमों के दायरे में आएं।

तंबाकू विश्लेषण के पीछे का शोधपत्र, “Excise Taxes in Emerging Economies: Progress on Cigarette Taxation in the Bloomberg Initiative, 2009-2025,” Johns Hopkins Bloomberg School of Public Health के रजीव चेरुकुपल्ली द्वारा लिखा गया था और Tax Notes International में प्रकाशित हुआ। WHO ने कहा कि यह विश्लेषण Bloomberg

Philanthropies के समर्थन से, “3 by 35” पहल के तहत किया गया था। एजेंसी ने यह भी कहा कि शक्करयुक्त पेय और शराब करों पर उसके 2025 के वैश्विक रिपोर्ट देश-रिपोर्टेड डेटा पर आधारित हैं, जिनकी कटऑफ तिथि 31 जुलाई, 2024 है।

WHO ने कहा कि उसने “3 by 35” पहल के लिए एक वेबसाइट शुरू की है, ताकि कार्यान्वयन का समर्थन किया जा सके, जानकारी साझा की जा सके और देश-स्तरीय वकालत मजबूत की जा सके। एजेंसी ने कहा कि सरकारों के कर सुधारों को आगे बढ़ाने के साथ वह देश-विशिष्ट केस स्टडी भी प्रकाशित करने की योजना बना रही है।